# सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना

मासिक ई पत्रिका अंक 22 मार्च 2022

## चयनित आदर्श गाँव

देश के विकास का रास्ता
गाँव के विकास से ही संभव है।

# लोनाँव - उत्तर प्रदेश

# गौ उत्पाद प्रशिक्षण शिविर

उत्तर प्रदेश, गोरखपुर क्षेत्र के गाँव लोनाँव में तीन दिवसीय गौ उत्पाद प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर 12 से 15 मार्च तक आयोजित हुआ। शिविर में सूर्या स्वयं सहायता समूह एवं महालक्ष्मी स्वयं सहायता समूह की 30 बहनें और सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र की 5 बहनों ने भाग लिया।

सूर्या फाउण्डेशन के प्रशिक्षक श्री संजय जी ने गौ उत्पाद से बनाए जाने वाले अलग-अलग प्रोडक्ट जैसे धूपबत्ती, गोनायाल (फिनाइल), अग्निहोत्र के लिए उपले, साबुन, उबटन, मंजन, दीपक, समरानी कप, आदि बनाना सिखाया। इससे सभी बहनें अपने गाँव में ही रोजगार कर सकती हैं।

प्रशिक्षण लेने के पश्चात् स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने अपने मन में यह संकल्प लिया कि हम साबुन, गोनायल और मंजन बनाकर गाँव के आसपास सरकारी दफ्तरों एवं अस्पतालों में सप्लाई करेंगे। सूर्या फाउण्डेशन की प्रेरणा और इस प्रशिक्षण से गाँव की महिलाओं को रोजगार का अवसर घर पर ही उपलब्ध कराया गया। इसके लिए सभी शिविरार्थियों ने इस दिशा में कार्य करने का संकल्प भी लिया।

गौ उत्पाद सामग्री

Continue with Facebook

# महिला सम्मान कार्यक्रम

## नांदियाकल्ला - राजस्थान

कहा गया है, **यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता** अर्थात् जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता निवास करते हैं। गाँव, समाज व राष्ट्र निर्माण में नारी की भूमिका बहुत ही महत्त्वपूर्ण योगदान रखती है। इस विषय को ध्यान में रखकर राजस्थान, जोधपुर जिले के गाँव नांदियाकल्ला में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत गाँव की 75 महिलाओं का सम्मान एवं स्वाबलंबन का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन माँ भारती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आजीविका मिशन की ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर श्रीमती सोनू जी एवं ग्राम सरपंच श्रीमान जसवंत सिंह भाटी जी ने सभी महिलाओं को पटका और श्रीफल देकर सम्मानित किया। सरपंच जी ने कहा कि नारी अबला नहीं सबला है, उनको बस एक नई दिशा और मार्गदर्शन की जरूरत है। वर्तमान समय में नारी पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रही हैं। श्रीमती सोनू जी ने बताया कि समूह से जुड़कर महिलाएँ आत्मनिर्भर बन रही हैं। आने वाले समय में प्रशिक्षण दिलाने का काम करेंगे ताकि रोजगार का सृजन हो और हम स्वाबलंबन की दिशा में भी और आगे बढ़ें। समूह की एकता ही समूह को शाक्तिशाली बनायेगी।

Continue with Facebook

DOCUMENTARY

## अन्य कार्य

- विश्व जल संरक्षण दिवस पर यूथ क्लब के युवाओं द्वारा **जल बचाओ** का संकल्प।
- विज्ञान समिति ग्राविस संस्था एवं सूर्या फाउण्डेशन के सहयोग से गाँव में तालाब गहरीकरण शुरु है।
- नांदियाकल्ला गाँव में हुए जल सरंक्षण के विशेष कार्य को पाञ्चजन्य पत्रिका में विस्तारपूर्वक स्थान मिला।

# पेण्ड्री - छत्तीसगढ़

## रामनवमी पर लोकगीत व झांकी प्रतियोगिता

छत्तीसगढ़, राजनांदगांव जिले के आदर्श गाँव पेण्ड्री में रंगों के त्योहार होली के अवसर पर परंपरागत धरोहर को जीवित रखने हेतु युवा टोली एवं समस्त ग्रामवासी परिवार की ओर से दो दिवसीय फाग व झांकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिले की विभिन्न प्रसिद्ध झांकियाँ एवं 31 गायक फाग कलाकारों की प्रस्तुति हुई। प्रथम स्थान जय छत्तीसगढ़ मैया के सुरता फाग परिवार, द्वितीय जय मां शीतला फाग मंडली लोक कला मंच एवं तृतीय जय शीतला परमानंद जस एवं फाग परिवार को पुरस्कृत किया गया।

सूर्या फाउण्डेशन की ओर से सामाजिक समरसता की दिशा में कार्य करने वाले ग्रामीणजनों को, युवा संगठन द्वारा श्रीफल के साथ, अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में जिला पंचायत सदस्य श्री अशोक जी एवं मुखिया श्री श्रीमती अनीता जी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि होली शीत ऋतु की विदाई और ग्रीष्म ऋतु का आगमन का संकेत पर्व है।

**जिस प्रकार बुराई पर अच्छाई की जीत पर हम दशहरा मनाते हैं। उसी प्रकार होली भी बुराई पर अच्छाई की जीत है। इस प्रकार के आयोजनों से हमारी पुरखों से चली आ रही परंपरा जीवित है। आने वाली पीढ़ी को हमारी पुरानी संस्कृति व परंपराओं पर गर्व करने का अवसर मिलता है। इस पहल से गाँव में समरसता भाव बढ़ा है और सभी ने छुआ-छूत व ऊँच-नीच से ऊपर उठकर रंगोत्सव पर्व मनाया।**

Continue with Facebook

# पॉलिथीनमुक्त जागरुकता कार्यक्रम

## मूण्डला – मध्य प्रदेश

### मेरा गाँव साफ हो – इसमें सबका हाथ हो।

24 मार्च को सीहोर जिले के आदर्श गाँव मूण्डला में संस्कार केंद्र और सरकारी स्कूल के बच्चों ने गाँव को पॉलिथीनमुक्त बनाने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में 40 बच्चों ने हिस्सा लिया। बच्चों को स्क्रीन पर वीडियो के माध्यम से पॉलिथीन को इकट्ठा करके रियूज करने के उपाय बताये गये। साथ ही शिक्षक श्री गुलाब सिंह जी और श्री विकास जी ने बच्चों को प्लास्टिक की बोतलों में पॉलिथीन इकठ्ठा करके ईको ब्रिक्स बनाना सिखाया।

आज पॉलिथीन का इतना उपयोग हो रहा है कि समुद्र की तलहटी में भारी मात्रा में पॉलिथीन इकठ्ठा हो गया है, जो समुद्री जीवों के शरीर में पहुँचकर उनका जीवन खत्म कर देता है। क्योंकि पॉलिथीन जल्दी नष्ट नहीं होता और इसकी आयु लगभग 500 वर्ष से अधिक होती है। यह नालियों के द्वारा नदियों और खेतों में पहुँचता है। खेतों में यह मिट्टी में जमा हो जाती है और उस जगह की उपजाऊ जमीन की उर्वरा शक्ति नष्ट कर देता है। पॉलिथीन जलाने से कार्बन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी विषैली गैसें निकलती हैं, जिससे बीमारी की आशंका बढ़ जाती है।

पॉलिथीन का उपयोग करके हम पर्यावरण को नुकसान पहुँचा रहे हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को गंभीर बीमारियों का न्योता भी दे रहे हैं। आज के समय में पॉलिथीन हमारे जीवन का इतना जरूरी हिस्सा बन गया है कि इतनी जल्दी उसको दूर करना मुश्किल होगा। लेकिन आज देशभर में कई संगठन और संस्थाएं पॉलिथीनमुक्त अभियान चला रही हैं। इसी अभियान को सूर्या फाउण्डेशन 400 गाँवों भी आगे बढ़ा रहा है।

Continue with Facebook

### अन्य कार्य

- ग्राम संगठन को 1 लाख का लोन मिला।
- यूथ क्लब के तीन युवा (मयंक, रोहित व कृष्णपाल) प्राथमिक वर्ग में शामिल हुए।
- लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह द्वारा आजीविका मिशन की दुकान पर बड़ी, पापड़ बनाकर बेचने हेतु दिया गया।

## बसई - उत्तराखण्ड

# सिलाई सीखकर शुरु किया रोजगार

उत्तराखण्ड, उधमसिंह नगर जिले के आदर्श गाँव बसई का मँझरा गाँव में सूर्या सिलाई केन्द्र की माताओं-बहनों को सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र से सिलाई सीखकर महिलाओं ने भगवा झंडी बनाने का कार्य शुरू किया। अब तक लगभग 500 झंडी बना चुकी हैं। प्रति झण्डी का सिलाई शुल्क 10 रुपया है। इस प्रकार सूर्या फाउण्डेशन गाँव के चहुँमुखी विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है और समाजसेवी व ग्रामवासियों के सहयोग से गाँव को आदर्श गाँव बनाने के लिए कार्य चल रहा है।

## गीत - देश हमें देता है सब कुछ...

देश हमें देता है सबकुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें।।
सूरज हमें रोशनी देता, हवा नया जीवन देती है
भूख मिटाने को हम सब की, धरती पर होती खेती है
औरों का भी हित हो जिसमें, हम ऐसा कुछ करना सीखें।।1।। **देश हमें...**

गरमी की तपती दुपहर में, पेड़ सदा देते हैं छाया
सुमन सुगन्ध सदा देते हैं, हम सबको फूलों की माला
त्यागी तरुओं के जीवन से, हम परहित कुछ करना सीखें।।2।। **देश हमें...**

जो अनपढ़ हैं उन्हें पढ़ायें, जो चुप हैं उनको वाणी दें
पिछड़ गये जो उन्हें बढ़ायें, प्यासी धरती को पानी दें
हम मेहनत के दीप जलाकर, नया उजाला करना सीखें।।3।। **देश हमें...**

# अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

## फफूण्डा - उत्तर प्रदेश

गाँव का प्रत्येक वर्ग सशक्त हो, आर्थिक व सामाजिक रूप से सभी की समान भागीदारी हो, सूर्या फाउण्डेशन इस दिशा में काम कर रहा है। हर साल 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। यह वैश्विक स्तर पर सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उनकी सफलता को महत्त्व देने वाले दिन के रूप में मनाया जाता है। आदर्श गाँव फफूण्डा में महिला दिवस का कार्यक्रम मनाया गया, जिसमें गाँव की 110 महिलाएँ उपस्थित रही। ग्राम प्रधान श्रीमती अनु जी ने भारत माँ की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महिलाओं के उत्साहवर्धन एवं सामाजिक भागीदारी बढ़े इसके लिए नींबू दौड़, रस्साकसी, मटका दौड़ आदि खेल प्रतियोगितायें भी कराई गई एवं विजेताओं को सम्मानित किया गया।

ग्राम प्रधान श्रीमती अनु ने अपने वक्तव्य में बताया कि महिलाओं को चूल्हा-चौका और घर संभालने तक सीमित नहीं रहना है। अपनी आर्थिक और सामाजिक सांस्कृतिक भागीदारी सुनिश्चित कर समाज और देश विकास में हमें भी भागीदार होना है। क्योंकि महिलाओं के उत्थान के बिना कोई भी समाज उन्नति नहीं कर सकता। एक महिला ही होती है जिसमें सृजन और पोषण की क्षमता होती है।

Continue with Facebook

DOCUMENTARY

## अन्य कार्य

- कृष्णा स्वयं सहायता समूह को रु. 1,10,000 का लोन दिलाया गया।
- संस्कार केन्द्र पर क्विज प्रतियोगिता एवं क्राफ्टिंग प्रतियोगिता करवाई गई।
- नि:शुल्क बीज हेतु 50 किसानों का चयन।
- कम्प्यूटर सेंटर हेतु 1 कंप्यूटर दिया गया।

## नगलावर – उत्तर प्रदेश

# पुस्तकालय का निर्माण

उत्तर प्रदेश, मथुरा जिले के गाँव नगलावर में ग्राम विकास समिति का गठन किया गया, जो प्रति माह बैठक कर ग्राम विकास को लेकर चर्चा करती है। प्रत्येक माह की भांति इस बार भी ग्राम विकास समिति की बैठक हुई। जिसमें गाँव में सभी व्यक्तियों को साक्षर बनाने के विषय पर चर्चा हुई। सूर्या संस्कार केन्द्र, प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र, थैला पुस्तकालय आदि को लेकर विशेष चर्चा हुई।

गाँव के सेवाभावी कार्यकर्ता ने पुस्तकालय के लिए एक कमरा दिया। पुस्तकालय में पुस्तकों के लिए जन सहयोग से रुपये इकट्ठा करके 250 शिक्षाप्रद पुस्तकें रखी गई। गाँव के लोग सुबह पुस्तकलय में आकर प्रेरणादायी पुस्तके पढ़ते हैं। छोटे बच्चों के पढ़ने लिए प्रेरणादायी महापुरुषों की कहानी, गीत, योग, रामायण, महाभारत आदि पुस्तकें भी उपलब्ध हैं।

कुछ लोग पुस्तकों को पढ़ने के लिए अपने घर ले जाते हैं और पुस्तक पढ़ने के पशचात् पुस्तकों को पुस्तकालय में वापस जमा कर देते हैं। इस प्रकार सूर्या फाउण्डेशन के इस सराहनीय पहल की चर्चा पूरे गाँव में हो रही है। पुस्तकालय निर्माण से गाँव के जो लोग ताश खेलते थे वे अब पुस्तकालय में अपनी रुचि के अनुसार पुस्तकें पढ़ रहे हैं।

Continue with Facebook

## आज के बच्चे – कल का भारत

DOCUMENTARY

# भारत भ्रमण कार्यक्रम

## नयागाँव - हरियाणा

सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत आजादी के अमृत महोत्सव के तहत भारतीय संस्कृति दर्शन हेतु आदर्श गाँव नयागांव में स्वयं सहायता समूह की 40 महिलाओं को भारत यात्रा कराई गई। मातृशक्ति को विधिवत रूप से संस्कृति का परिचय कराते हुए इस यात्रा के दौरान शनि देव मंदिर, नंदगाँव - बरसाना, वृंदावन, मथुरा, गोवर्धन आदि स्थानों के दर्शन किए। इस यात्रा के दौरान स्वयं सहायता समूह की महिलाएं बहुत ही उत्साहित थी क्योंकि पहले कभी एक साथ इतनी महिलाओं ने भारत यात्रा नहीं की थी। इस यात्रा से प्रसन्न होकर सूर्या फाउण्डेशन का सभी महिलाओं ने बहुत-बहुत धन्यवाद किया। यात्रा के दौरान सभी महिलाओं ने सीखा है कि संगठन में ही शक्ति है और महिलाएं किसी से भी कम नही हैं। हम महिलाएं अपने-अपने समूह को गुणवत्तापूर्ण बनाते हुए कई सारे स्वरोजगार स्वावलंबन के अवसरों को बढ़ाएंगे।

रमणरेती आश्रम

कवि रसखान की समाधि

बरसाना मंदिर

DOCUMENTARY

यमुना मैया में नौका विहार

Continue with Facebook

# कादीपुर - उत्तर प्रदेश

## पशु चिकित्सा शिविर

Continue with Facebook

बाबा विश्वनाथ की नगरी में बसा सूर्या फाउण्डेशन द्वारा चयनित आदर्श गाँव कादीपुर में पाँच आयामों (शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार, समरसता तथा स्वावलम्बन) को लेकर काम चल रहा है। मनुष्य को कोई पीड़ा होती है तो वह बोलकर दूसरों से मदद माँगता है किन्तु जो बोल नहीं सकते (पशु) उनकी पीड़ा को दूर करने के लिए पशु चिकित्सा एवं जाँच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें गाँव में बने गौशाला में रहने वाले गायों-बछड़ों तथा पालतू पशुओं को मिलाकर कुल 35 पशुओं की जाँच की गयी। डॉ. अजय सिंह एवं वैक्सिनेटर अजीत जी के द्वारा गर्मी से बचने, खुरपका, मुंहपका जैसी बीमारी से बचने के बारे में लोगों को बताया गया।

श्री वेदजी (वाइस चेयरमैन-सूर्या फाउण्डेशन) साथ में कुलदीप जी (क्षेत्र प्रमुख) काशी क्षेत्र में सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना द्वारा चयनित गाँव कादीपुर के स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के साथ।

# बच्चों को संस्कारित करने हेतु कुछ बातें...

बच्चों के व्यक्तित्त्व के निर्माण के लिए आपको उसकी शिक्षा, दीक्षा, अच्छी आदतों तथा नैतिक मूल्यों के साथ-साथ संस्कारों को बचपन से ही उनके अंदर डालना होगा, तभी वह एक अच्छा इंसान बनेगा। अच्छे संस्कार का बीजारोपण करने के लिए आपको भी एक अच्छा इंसान बनना होगा। जिससे आपका बच्चा आपको ही अपना मार्गदर्शक और आदर्श मान सके।

**ईश्वर में आस्था**- अपने बच्चे में यह संस्कार पैदा करें कि वो ईश्वर में विश्वास रखें। ईश्वर में आस्था रखने से सही काम करने की प्रेरणा मिलती है। उसको यह विश्वास दिलाइये कि ईश्वर सब कुछ देखता है।

**माता-पिता का सम्मान**- प्रत्येक बच्चे को बचपन से ही यह शिक्षा मिलनी चाहिए कि वह अपने माता-पिता का सम्मान करे। माता-पिता ही उसके पहले मार्गदर्शक होते हैं। कोई भी कार्य करने से पहले अपने माता-पिता की राय लेने के बारे में अवश्य बताएं, जिससे वह आपका सम्मान करेगा। आदर्श और वीर बच्चों की कहानियाँ सुनायें और पढ़ने के लिए प्रेरित करें। जैसे श्रवण कुमार की कहानी।

**सत्यनिष्ठा और ईमानदारी**- बच्चों के अंदर सत्य बोलने और ईमानदारी की आदत डालनी चाहिए, इसके लिए माता-पिता को स्वयं इस रास्ते पर चलना होगा। उनको यह बताना होगा कि सत्य और ईमानदारी के रास्ते पर चलने पर ही आगे बढ़ा जा सकता हैं। क्योंकि ईमानदारी की नींव बहुत मजबूत होती हैं। इसके लिए आप कहानियों या किसी उदाहरण के माध्यम से समझा सकते हैं। जैसे राजा हरिश्चंद्र की कहानी।

**सहयोग की भावना**- बच्चों के अंदर सहयोग और दूसरों की मदद करने की आदत बचपन से ही पड़नी चाहिए। उसको बताते रहें कि परिवार में सभी काम एक दूसरे की मदद से ही संभव हैं। घर के सभी सदस्यों को उनकी क्षमता के अनुसार काम बाटें, जिससे उसको जिम्मेदारी का अहसास होगा। एक दूसरे की मदद करना आदत बन जाएगी।

**प्रेम भावना**- प्रत्येक बच्चे के अंदर यह नैसर्गिक गुण होना चाहिए कि वह सभी के साथ प्रेम से रहे। आपसी प्रेम और भाईचारे की भावना के बल पर वह अपने परिवार, विद्यालय और समाज में प्रतिष्ठित स्थान पा सकता है। इससे वह सभी के दिलों पर राज करेगा। उसे सभी के प्रति सहानभूति और करुणा की भावना भी रखनी चाहिए।

**देश के प्रति सम्मान**- बचपन से ही बच्चों के अंदर यह संस्कार डालें कि उसका सबसे पहला कर्त्तव्य अपने देश के प्रति है। उसके अंदर देश प्रेम की भावना होनी चाहिए। प्रत्येक पल अपने देश के प्रति सेवा करने के लिए तत्पर होना चाहिए। देश-भक्ति की कविता और कहानियाँ सुनायें।

**सहनशक्ति**- आजकल के दौर में बच्चों के पास सहनशक्ति का अभाव है, इसलिए बच्चों को धैर्य रखने की आदत सिखायें। क्योंकि उसके आगे के जीवन के लिए यह गुण होना आवश्यक है। उसको यह सिखायें कि छोटी-छोटी बातों पर उग्र न हो और जीवन के प्रति वह सकारात्मक सोच रखें।

**उज्ज्वल चरित्र**- अपने बच्चे के अंदर यह संस्कार डालें कि वह अपने चरित्र के प्रति सजग रहे, क्योंकि एक बार चरित्र नष्ट होने पर वह दुबारा ठीक नहीं हो सकता।

**बुजुर्गों के प्रति सकारात्मकता**- बच्चों के व्यक्तित्त्व के निर्माण के लिए बड़े बुजुर्गों का सम्मान, सेवा एवं बुढ़ापे में उनकी मदद करना। प्रतिदिन खेलना, कहानी सुनना, यह भाव बहुत जरूरी है। इससे बुजुर्गों के प्रति सकारात्मक का भाव पैदा होगा।

**आपके संस्कार बताते हैं कि आपकी परवरिश कैसी हुई है। ऐसे ही आपकी परवरिश बताती है कि आपका परिवार कैसा है।**

# समाचार पत्रों में आदर्श गाँव योजना की झलकियाँ

## फिल्म महोत्सव में नांदियाकला की दिखाई गई डॉक्यूमेंट्री

हरीश शर्मा संवाददाता-इदम प्रभात

**भोपाल (मध्यप्रदेश)।** मध्य प्रदेश में दूसरी बार चित्र भारती फिल्म उत्सव 25 मार्च से शुरू हुआ। तीन दिवसीय चलने वाली फिल्मों शो सी.बी.एफ.एफ 2022 के उद्घाटन समारोह में प्रख्यात अभिनेता अक्षय कुमार और सुप्रसिद्ध फिल्म निर्देशक विवेक अग्निहोत्री बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप रहे। बिशन खेड़ी स्थित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में 25 मार्च को शाम 6:00 बजे तीन दिवसीय शिविर का उद्घाटन किया गया। रविवार को द्वितीय दिवस पर सूर्या फाउंडेशन के द्वारा ग्राम विकास के ऊपर राजस्थान के जोधपुर जिले के गांव नांदियाकला की डॉक्यूमेंट्री फिल्म चित्र भारती फ़िल्म महोत्सव में दिखया गया। इस डॉक्यूमेंट्री में नांदिया कला गांव के सरपंच जसवंत सिंह भाटी के नेतृत्व में ग्राम वासियों के सहयोग से सूर्या फाउंडेशन की टीम ने मिलकर गांव के विकास के लिए काम किया और जल संरक्षण की दृष्टि से इस गांव को मॉडल के रूप में तैयार किया। इसके साथ साथ गांव में वृक्षारोपण, संस्कार केंद्र, यूथ क्लब के माध्यम से युवाओं के सर्वांगीण विकास का भी कार्य किया जा रहा है। सूर्या फाउंडेशन की टीम को वरिष्ठ पत्रकार शिवकुमार विवेक द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सूर्या फाउंडेशन क्षेत्र प्रमुख आदर्श मिश्रा ने गांव के सरपंच, ग्रामवासी को बधाई देते हुए कहा कि सूर्या फाउंडेशन पूरे देश में इस प्रकार के 10 गांव का चयन करके उनको आदर्श गांव के रूप में स्थापित करने में लगा हुआ है जिस प्रकार हम नांदिया कला गांव की डॉक्यूमेंट्री देख रहे हैं और इसकी सराहना पूरे देश में हो रही है वैसे ही अन्य सभी गांव देश में अपनी अपनी अलग पहचान से जाने जाएंगे। इस डॉक्यूमेंट्री के चयन के पश्चात इसका प्रसारण मध्य प्रदेश के राज्य स्तर आयोजित चित्र भारती फिल्म महोत्सव में किया गया। जिसके लिए फाउंडेशन के चेयरमैन पदम जयप्रकाश अग्रवाल में सूर्या फाउंडेशन टीम के साथ नांदिया कला गांव के सरपंच एवं सभी ग्राम वासियों को शुभकामनाएं दी।

### फरह के नगला वर में रोग मुक्त भारत अभियान के तहत बनाया गया 75वां आजादी का अमृत महोत्सव

सेमिनार के माध्यम से समाजसेवी एवं बच्चे लोगों में जनजागरूकता लाते हुए।

मथुरा। रोग मुक्त भारत अभियान के तहत रविवार ब्रज क्षेत्र व ब्लॉक फरह के नगला वर गांव में 75 वे आजादी का अमृत महोत्सव के बनाया गया। जिसके तहत सेमिनार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ कैलाश तथा विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार विष्णु तथा समाजसेवी राम पाठक नारायण ग्राम प्रधान की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। एरिया वीज पुरुषोत्तम राणा द्वारा जानकारी दी गई कि हम प्राकृतिक जीवन को कैसे अपनाएं तथा अपने जीवन को प्राकृतिक जीवन कैसे बनाएं हमारा खान-पान हमारा रहन-सहन कैसा उत्तम हो तथा विभाग के माध्यम से हम अपने जीवन को बिना दवा के कैसा निरोग रख सकते हैं। इस दिशा में सूर्या फाउंडेशन प्राकृतिक चिकित्सा का अध्यान लेकर गांव-गांव में इन सेमिनार के माध्यम से गांव के लोगों को जन जागरूकता का अभियान चलाया जा रहा है डॉ कैलाश जी द्वारा गांव के लोगों को खानपान की जीवन शैली कैसे सुधार हो तथा दैनिक जीवन में एलोपैथिक दवाओं से बचकर हम अपने घर में ही बीमारियों का कैसे उपचार कर सकते हैं। इस दिशा में प्राकृतिक जीवन कैसे अपनाएं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नेशनल इंस्टिट्यूट आप नेचुरोपैथी के माध्यम से देश के अंदर समाज को जागृत करना तथा अपना जीवन प्रकृति के साथ कैसे चले इस हेतु गांव गांव में इस अभियान के माध्यम से सूर्या फाउंडेशन जन जागरूकता अभियान के माध्यम से सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें गांव के अन्य समाजसेवी अनिल केंद पाल राजकुमार, राम पाठक रीना रवि दीपिका पाठक तथा अन्य सूर्या फाउंडेशन की टीम के लोग कार्यक्रम को सुचारू बनाए रखने में समाज मे गांव में अपनी भूमिका का आदान-प्रदान समय-समय पर करते आ रहे हैं।

# स्वाबलम्बी स्वाभिमानी भाव जगाना है...

स्वाबलम्बी स्वाभिमानी भाव जगाना है।
चलो गांव की ओर हमें फिर देश बनाना है।
घर-घर में गौ माँ की सेवा, पशुधन का हो पालन
दूध, दही, घी, मट्ठा-लस्सी, हर घर में हो सेवन
स्वच्छ रहेंगे-स्वस्थ रहेंगे, भाव जगाना है
गौपालन से खुशहाली हमें गांव में लाना है॥
चलो गांव की ओर.... ॥1॥
गांव में होगी जैविक खेती, जमीं के नीचे पानी
अनाज सब्जी फूल फल से, सजेगी धरती रानी
स्नेह और सहकारिता का भाव जगाना है
कृषि आधारित समृद्धि, हमें गांव में लाना है
चलो गांव की ओर.... ॥2॥
ग्राम नगर वन के वासी सब, भारत की संतान है
ऊँच-नीच का भेद भुलाकर, करते सब मिल काम है।
समरसता का गीत गाकर, कदम बढ़ाना है
भारत माँ का अब फिर से हमें मान बढ़ाना है
चलो गांव की ओर.... ॥3॥